

शंकर भगवान की स्तुति

आशुतोष शङ्क गेङ्ग रङ्ग म् ।। ली चिदात्मन् ।।
कोटि कोटि प्रणमं शम्भु कोटि नमन् दिगम्बर ।।

निर्वाण उपकर अविनाशो ह्रुमि देवो देव ।।
जगत् प्रजक प्रलय कार्ता शिवम् सत्यम् सृष्टर ।।

निरङ्गारम् स up रूपा कालेश्वरा म्हा योगेश्वरा ।।
निरङ्गारम् स up रूपा कालेश्वरा म्हा योगेश्वरा ।।

शुक्लं पानिं त्रिगुणं धारि अगाधो वागम्बरा ।।
जम्भ महेषो त्रिलोचन विद्यनाथ विश्वम्बरा ।।

नाथ नागेश्वर हारो हार पाप प्राप अजिष्णु तामा ।।
महादेव महान् भोले श्यावा शिव शिव प्रजरा ।।

जगत् पति अद्भुताकृतिं भक्तिं प्रादाय तेरे ररणा ह्ये ।।
समस्त पाप क्षमा करन्तु जम्भ जम्भ जगदाश्वरा ।।

जनम जायान् जगत् का प्राकृत्य ताय मालत् प्रावा ।।
उम् नाम शिवम्भ्यो मन पाञ्च अक्षर जप करन्तु ।।

आशुतोष शङ्क गेङ्ग रङ्ग म् ।। ली चिदात्मन् ।।
कोटि कोटि प्रणमं शम्भु कोटि नमन् दिगम्बर ।।।

From here you can download Shiv Stuti in other Languages shrishivchalisa.com